दैनिक जागरण
www.dainikjagranmpcg.com
भोपाल, 26 जुलाई 2025

सत्यकथा

जबलपुर : सुंदरता और सफलता से कुढ़ने वाली युवती ने बचपन की सहेली पर फेंका तेजाब

demo pic.

आरोपी इशिका साहू

तेजाब गर्ल

बचपन की सहेली श्रृद्धा को मिली सुंदरता, संपन्नता और सफलता से जलन की भावना रखने वाली इशिका साहू को शक था कि साल भर पहले सोशल मीडिया पर बॉयफ्रेंड के साथ वायरल हुए इशिका के वीडियो के पीछे श्रृद्धा का ही हाथ हैं। इसलिए जिस रोज श्रृद्धा को अपनी पहली नियुक्ति पर कोलकाता जाना था उससे एक रात पहले इशिका ने श्रृद्धा के ऊपर तेजाबी हमला कर दिया।

इमरजेंसी में अक्सर ऐसा होता है कि किसी भी बड़ी वारदात की खबर पुलिस को मौके के बजाए अस्पताल से मिलती है। 29 जून की रात लगभग 10 बजे ऐसा ही हुआ जब जबलपुर के ग्वारीघाट थाना टीआई को इलाके की एक निजी अस्पताल से उनके थाना क्षेत्र में रहने वाली 21 वर्षीय युवती श्रृद्धा दास पर तेजाबी हमला किए जाने की खबर दी गई।

एसिड अटैक बेहद गंभीर किस्म के अपराधों में शुमार किया जाता है इसलिए ग्वारीघाट टीआई ने तत्काल इस मामले की जानकारी सीएसपी एमडी नागोदिया और एसपी संपत उपाध्याय को देकर दलबल के साथ अस्पताल के लिए रवाना हो गए।

▸▸डॉ. देवेन्द्र साहू/राजेन्द्र मिश्रा

वास्तव में घटना की जानकारी लगते ही सिर्फ थाना टीआई ही नहीं बल्कि सीएसपी और जबलपुर एसपी का भी यही सोचना था कि यह घटना युवती द्वारा किसी दिलजले आशिक की बात न मानने का परिणाम ही होगी। लेकिन जब मौके पर पहुंचे टीआई को इस तेजाबी हमले में घायल हुई युवती श्रद्धा दास के परिजनों ने बताया कि उनकी बेटी पर तेजाब किसी युवक ने नहीं बल्कि पड़ोस में रहने वाली एक युवती इशिका साहू ने फेंकी हैं जो श्रृद्धा की दोस्त भी थी। खुद पीड़िता की मां ज्योत्सना दास इस घटना की चश्मदीद गवाह थी।

एक युवती दूसरी युवती पर तेजाब क्यों फेंकेगी इस सवाल का कोई एक सीधा जबाव नहीं हो सकता। लेकिन फिलहाल पुलिस की जरूरत इशिका को गिरफ्तार करने की थी जो श्रृद्धा पर तेजाब फेंककर अपने घर की तरफ भागी थी।

युवती द्वारा युवती पर तेजाबी हमले की जानकारी अब तक वरिष्ठ अधिकारियों तक पहुंच चुकी थी। इसलिए सीएसपी श्री नागोदिया के नेतृत्व में तत्काल महिला पुलिस के साथ एक टीम ने ग्वारीघाट इलाके की अवधपुरी कालोनी में दबिश देकर 23 साल की इशिका साहू के दरवाजे पर दस्तक दी।

आरोपी फरार न हो जाए इसलिए पुलिस चौकन्नी थी जिसके चलते पुलिस ने देखा के दरवाजे के पास की खिड़की से एक जोड़ी आंखें बाहर झांक रही थीं। शायद आरोपी भागने का रास्ता देख रही है यह सोचकर पुलिस ने मकान की घेराबंदी शुरु की लेकिन इससे पहले ही दरवाजा खोलकर निहायत ही खूबसूरत सी युवती ने बाहर निकलते ही सबसे पहले सामने खड़े सीएसपी श्री नागोदिया से सवाल किया-

क्या वह मर गई, मुझे फांसी होगी क्या?

पुलिस सेवा में शेष पृष्ठ 4 पर...

पीड़ित युवती श्रृद्धा दास।

खंडवा

प्रेमी के दो दोस्तों ने गैंगरेप के बाद की थी जेल में बंद दोस्त की प्रेमिका की हत्या

एक रात का कुसंग

देशी पऊवा में बीयर मिलाकर पीने का शौक रखने वाली सोनल की तूफानी वासना के बारे में प्रिंस और दीवाल ने अपने दोस्त और सोनल के प्रेमी से काफी कुछ सुन रखा था। इसलिए रात के अंधेरे में जब सोनल दोनों के संग शराब के नशे में मदहोश होकर जमीन पर लेट गई तो प्रिंस और दीवाल उस पर टूट पड़े

demo pic.

देशी-अंग्रेजी काकटेल के गहरे नशे में पड़ी सोनल अपने ऊपर हुए यौन हमले से बेहोश हो गई थी। प्रिंस और दीवाल को डर था कि सोनल ने अगर जेल में बंद प्रेमी को इस बात की जानकारी दे दी तो उनकी मौत तय है। इसलिए अपनी जान बचाने के लिए दोनों ने सोनल की जान ले ली।

21 जुलाई की सुबह-सुबह की बात है जब खंडवा के कोतवाली थाना पुलिस को अपने क्षेत्र के एक सुनसान इलाके में लगभग 35-40 साल की महिला का सिर कुचला शव पड़ा होने की खबर मिली। सिर कुचली लाश का संबंध सीधे-सीधे हत्या से होता है इसलिए सूचना मिलने में एसपी मनोज राय के निर्देश पर एएसपी महेन्द्र तारणेकर और सीएसी अभिनव वारंगे भी मौके पर जा पहुंचे।

महिला का शव पूरी तरह निर्वस्त्र होने के अलावा पास ही शराब की खाली बोतले देखकर मामला साफ था कि नशाखोरी के दौरान घटना को अंजाम दिया गया है। शव निर्वस्त्र होने से महिला के साथ बलात्कार किए जाने की संभावना भी साफ दिखाई दे रही थी लेकिन इसके लिए पीएम रिपोर्ट ही पुख्ता तौर पर कुछ कह सकती थी इसलिए शव को पीएम के लिए जिला अस्पताल भेजने से पहले उसकी शिनाख्त करने की कोशिश में जानकारी हो गई कि 40 वर्षीय मृतका का नाम सोनल (बदला नाम) है। सोनल एक निजी स्कूल में सफाईकर्मी के तौर पर काम करती थी।

सोनल का पति लंबे समय से किसी गंभीर बीमारी से पीड़ित है जिसके चलते परिवार का खर्च सोनल ही उठा रहीं थी। पूछताछ में सोनल की बेटी ने बताया कि शाम को मां के स्कूल से लौटने के समय पर उनका फोन आया था। उनका कहना था कि वो अपनी एक सहेली से मिलने जा रही है रात 8 बजे तक वापस आ जाएगी। लेकिन मां रात भर घर वापस नहीं लौटी थी।

इसी बीच मुखबिरों की मदद से सोनल की कुंडली बनाई गई जिसमें पता चला कि पति की बीमारी के चलते सोनम लंबे समय से अनैतिक काम से जुड़ गई थी। शहर के कई युवकों से उसकी दोस्ती थी जिनके साथ वह अक्सर घूमती दिखाई देती थी। इसके अलावा सोनम को शराब पीने की भी लत थी।

इसी बीच पीएम रिपोर्ट में साफ हो गया कि सोनल की हत्या सिर पर पत्थर जैसी भारी चीज पटककर की गई है। इतना ही नहीं पीएम रिपोर्ट में हत्या से पहले सोनल के साथ सामूहिक दुष्कर्म किए जाने की बात भी साफ हो गई। इसी बीच शक के आधार पर पुलिस ने सोनल की उस सहेली और पति को हिरासत में ले लिया जिसके घर जाने की बात उसने अपनी बेटी को बताई थी।

पुलिस ने जेल में बंद सोनल के प्रेमी से पूछताछ की जिसमें पता चला कि जेल में बंद सोनम के प्रेमी ने अपनी प्रेमिका की मदद की जिम्मेदारी खंडवा के

घटना का खुलासा करते खंडवा एसपी।

अपने दो बदमाश दोस्त 19 साल के प्रिंस और 25 साल के दीवाल को सौंप रखी थी। इन दोनों के फोन नंबर के आधार पर जांच की तो पता चला कि घटना की रात प्रिंस और दीवाल दोनों के नंबर उसी जगह एक्टीवेट थे जहां सुबह सोनल की सिर कुचली लाश मिली थी। इसलिए पुलिस ने इन दोनों की तलाश की तो मोबाइल लोकेशन के आधार पर प्रिंस को नासिक महाराष्ट्र से और दीवाल को खंडवा से उठा लिया गया।

पूछताछ में दोनों पहले तो इस बारे में कुछ भी जानने से इंकार करते रहे यहां तक कि दोनों ने यह तक कहा कि वो तो सोनम को जानते भी नहीं न कभी उससे मिले है। लेकिन घटना वाले दिन इनमें से एक के नंबर से सोनम से बात की गई थी। इसलिए पुलिस ने जल्द ही दोनों के साथ सख्ती से पूछताछ की तो उन्होंने बलात्कार के बाद सोनल की हत्या करने की बात स्वीकार कर ली।

दोनों ने बताया कि सोनल जेल में बंद उनके दोस्त की प्रेमिका थी। दोनों के बीच शारीरिक संबंध भी थे इसके अलावा सोनम अनैतिक व्यापार से भी जुड़ी है जो पैसा लेकर किसी के भी साथ एकांत में मिलने के लिए चली जाती थी। इस बात की जानकारी भी प्रिंस और दीवाल को थी इसलिए वे शराब पीते समय अक्सर सोनल के साथ मस्ती करने की योजना बनाते रहते थे।

प्रिंस ने बताया कि उनका दोस्त जब जेल से बाहर आता है तब अक्सर रोज ही सोनल के साथ उसकी अय्याशी का प्रोग्राम चलता है। सोनल शराब की भी बड़ी शौकीन थी जिसके चलते उनका दोस्त सोनल की तूफानी वासना के किस्से अक्सर प्रिंस और दीवाल को सुनाता रहता था।

इन दिनों सोनल का प्रेमी जेल में है इसलिए हमें लगा कि सोनल आसानी से हमारे साथ मस्ती करने राजी हो जाएगी। इसलिए बीस जून के दिन हमने उसे फोन कर दारू पार्टी के लिए बुलाया जिस पर सोनल आसानी राजी हो गई। क्योंकि वह हमारी पूर्व परिचित थी और उसके प्रेमी के कहने पह हम उसकी अक्सर मदद भी करते रहते थे।

घटना दिनांक से एक रोज पहले सोनल प्रिंस को बाजार में मिली तो उसने दारू पिलाने के लिए कहा। उस समय प्रिंस की जेब में पैसा नहीं था इसलिए उसने अगले दिन मिलने का बोल दिया। जिसके बाद उसने दीवाल को यह बात बताई ती दीवाल ने कहा कि यार हम कब तक उसे फ्री में दारू पिलाते रहेंगे। दसियों के साथ जाती है लेकिन हमारे सामने नखरे करती है और दारू फ्री में पी जाती है। इस पर दोनों ने अगले दिन उसे एकांत में ले जाने की योजना बनाकर वहां सेक्स के लिए राजी करने का प्लान बनाया।

बीस जून की शाम दोनों उसे चीरा खदान से अपने साथ एक्टिवा पर भंडरिया रोड़ पर एक सुनसान जगह ले गए। सोनल को जी भर कर शराब पिलाने के लिए हम अपने साथ काफी शराब लेकर गए थे। सोनल कॉकटेल की शौकीन है इसलिए उसे जल्द ही गहरा नशा हो गया।

इस दौरान शराब पीते हुए मैंने उसके कंधे पर हाथ रखा तो सोनल ने कुछ नहीं कहा इससे मुझे लगा कि आज सोनल मान जाएगी। इसी बीच उसने और शराब पिलाने का बोला जिस पर दीवाल जाकर और शराब ले आया। जिसे पीकर नशे की अधिकता के कारण वह वहीं जमीन पर लेट गई।

सोनम को इस हालत में देखकर हम दोनों की हालत खराब हो गई जिससे मैंने उसके पास लेट कर उसके साथ शारीरिक छेड़छाड़ की तो वह भड़क उठी और उसने मुझे लात मार दी। इससे मेरा दिमाग खराब हो गया। जिससे हम दोनों ने मिलकर उसे काबू किया और उसके साथ बलात्कार कर डाला।

इस दौरान उसने हमसे कहा कि वह जेल से आने के बाद अपने प्रेमी को हमारी करतूत के बारे में बता देगी। लेकिन हमने उसकी बात पर ध्यान नहीं दिया और अपना काम होने पर सोनल को वही पड़ा छोड़कर वापस आ गए। आरोपियों ने बताया कि घर आकर उन्हें लगा कि यदि सोनल से सचमुच अपने प्रेमी को पूरी बात बता दी तो वह बदमाश किस्म का है और हमारी हत्या भी कर सकता है इसलिए हमने वापस जाकर बेहोश पड़ी सोनल का सिर पत्थर से कुचलकर उसकी हत्या कर दी।

कथा पुलिस सूत्रों पर आधारित।

सुख के लालच में कई बार पिला चुके थे भरपेट शराब

पुलिस गिरफ्त में आरोपी।

सूत्रों के अनुसार आरोपियों ने माना कि सोनल जेल में बंद उनके दोस्त की प्रेमिका थी। इसके अलावा वह गलत काम से भी जुड़ी थी। हम उसे कई बार भरपेट शराब पिला चुके थे लेकिन हमारे साथ संबंध बनाने के लिए वह नखरे दिखाती थी इसलिए घटना के दिन हमने उसके साथ जबरदस्ती कर डाली।

अनैतिक कामों से जुड़ी और शराब की शौकीन थी मृतका

आरोपियों को अदालत ले जाती पुलिस।

जांच में सामने आया है कि मृतका का पति लंबे समय से बीमार है इसलिए घर का खर्च चलाने के लिए वह एक स्कूल में सफाईकर्मी की नौकरी करने के अलावा अनैतिक काम से भी जुड़ गई थी। इस बात की जानकारी दोनों आरोपियों को थी लेकिन आपसी परिचय होने के बाद भी मृतका आरोपियों के संग नजदीकी बनाने राजी नहीं होती थी।

जैसीनगर (सागर)

प्रेमिका ने मिलने के बहाने बुलाकर करवा दी प्रेमी की हत्या

अवैध संबंधों की एक समय सीमा होती है। चोरी का यह सुख एक समय के बाद जी का जंजाल बन ही जाता है। यहीं कारण है कि प्रेमी भरत से ऊब चुकी गुलाब अब उससे छुटकारा चाहती थी जबकि भरत, गुलाब पर अधिकार जताने लगा था।

पहले भी कंदेला में कई बार यहां रहने वाले रोहित कुशवाहा के घर पर देखा गया है। यह भी जानकारी मिल गई कि रोहित की मौसी गुलाब (बदला नाम) की शादी भी उसी भुरेरू गांव में हुई है जहां का मृतक रहने वाला था।

जैसीनगर से कुलदीप चौरसिया

सागर जिले के जैसीनगर थाने की सीमा में वन विभाग की जंगल चौकी इलाके में आने वाले गांव कंदेला से लगे जंगल में 28 जून को जैसीनगर पुलिस ने एक युवक का सड़ा गला शव बरामद किया था। खराब हालत के कारण शव की पहचान मुश्किल थी इसलिए पुलिस शव के कपड़े गले में पड़ी चांदी की चैन और अंगूठी सुरक्षित रखने के बाद शव को सागर मेडिकल कॉलेज में पीएम के लिए भेज दिया। जहां हत्या की बात साफ हो जाने पर जैसीनगर थाने में अज्ञात के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर शव की शिनाख्ती के लिए आसपास के सभी थानों में खबर कर दी गई।

शशिकांत गुर्जर, टीआई

इसके चलते पुलिस को मालूम चला कि रायसेन जिले के बेगमगंज थाने में शव की हुलिया से मिलते जुलते एक युवक की गुमशुदगी दर्ज करवाई गई है। इस पर पुलिस ने गुमशुदा हल्के उर्फ भरत कुशवाहा के परिवार वालों को बुलाकर शव के शरीर पर मिला सामान दिखाया तो उसकी पहचान भरत कुशवाह निवासी भुरेरू, थाना बेगमगंज के रूप में हो गई।

शव की पहचान होते की पुलिस की जांच में तेजी आ गई। इतना ही नहीं इसके लिए टीआई जैसीनगर शशिकांत गुर्जर से थाना से हाल ही में तबादला होकर गए प्रधान आरक्षक केके यादव को विशेष तौर पर सागर से जांच में मदद करने के लिए बुलाया क्योंकि श्री यादव लंबे समय तक इलाके में पदस्थ रहने के कारण इलाके की अच्छी जानकारी रखते थे। मृतक के मोबाइल नंबर की जानकारी लग जाने से साइबर सेल के सौरभ कुमार भी सीडीआर के आधार पर सुराग की तलाश में जुट गए।

प्रधान आरक्षक केके यादव और प्रधान आरक्षक सहयोग कुमार ने इलाके में अपने मुखबिरों को सक्रिय किया जिससे जल्द ही खबर लग गई कि मृतक इससे इतना ही नहीं मृतक भरत अपने गांव से 23 जून को लापता हुआ था और उन तारीखों में रोहित की मौसी भी कंदेला में देखी गई थी। रोहित की मौसी गुलाब के साथ मृतक के अवैध रिश्ते की बात भी सुनी गई।

इन तमाम जानकारी के आधार पुलिस ने कंदेला गांव से रोहित कुशवाहा को उठाकर उससे पूछताछ की जिसमें पहले तो वह मृतक को इनने से ही इंकार करता रहा लेकिन जब पुलिस ने अपनी अंगुली टेड़ी की तो उसने रटे हुए तोते की तरह मौसी के साथ अवैध संबंध के चलते अपने फुफेरे भाई विष्णु और उसके दोस्त गजब सिंह ठाकुर की मदद से भरत की हत्या करने की बात स्वीकार कर ली। यही नहीं यह बात भी साफ हो गई कि आरोपियों ने हत्या को अंजाम गुलाब के कहने पर दिया था इसलिए पुलिस ने रोहित की मौसी गुलाब को भी गिरफ्तार कर चारों के पास से मृतक का टूटा मोबाइल तथा हत्या में प्रयुक्त कुल्हाड़ी, पत्थर आदि बरामद कर उन्हें अदालत में पेश किया जहां से चारों को जेल भेज दिए जाने के बाद कहानी इस प्रकार से सामने आई।

बेगमगंज थाना सीमा के भुरेरू गांव में ब्याही गुलाब जल्द ही अपनी सुंदरता के चलते गांव भर में चर्चा का विषय बन चुकी थी। ससुराल के पड़ोस में गुलाब की ही समाज के हल्के उर्फ भरत कुशवाहा का घर था। जो पड़ोस के नाते गुलाब को भाभी कहकर बुलाता था। लेकिन यही एक कारण भाभी बुलाने का नहीं था। भरत ने गुलाब के संग देवर-भाभी का रिश्ता उसकी सुंदरता को देखकर बनाया था जिस पर उसका दिल आ चुका था।

कुछ समय बाद गुलाब भी समझ गई कि भरत की नीयत उस पर ठीक नहीं है इसलिए वो संभलकर रहने लगी। लेकिन दीवाना पड़ोसी हो और उसका घर आना-जाना भी हो तो कोई कितना बचता। इसलिए समय के साथ गुलाब के मन के एक कोने में भरत के लिए जगह बनने लगी। जिसका नतीजा यह निकला कि गांव में एक रिश्तेदार के यहां शादी की भीड़ में मौका निकाल कर भरत और गुलाब एकांत में मिले और उनके बीच शारीरिक सुख के लेन-देन का सिलसिला शुरू हो गया। एक बार रिश्ता बना तो भरत अक्सर मौका देखकर गुलाब के घर में घुसकर उसके साथ वासना के सागर में डूबने लगा। गुलाब के लिए भी भरत की नजदीकी तन-मन को खुशी देने वाली थी इसलिए वह भी भरत को हर उस तरीके से खुश करने लगी जिसकी भरत मांग करता था।

`लेकिन छोटे से गांव में यह खेल ज्यादा दिन तक लोगों की नजरों से छुपा न रह सका। इसलिए गांव में गुलाब की बदनामी होने लगी। इस बदनामी के डर से गुलाब ने भरत को संभल कर चलने कहा और घर में घुसने के बजाए गांव के बाहर कहीं मिलने का सुझाव भी दिया। इसे कुछ दिन तक तो भरत ने माना लेकिन जब देखा कि गांव के बाहर मिलने के लिए मौके उतने नहीं मिलते जितने की गुलाब के घर जाकर मुलाकात के होते थे इसलिए भरत फिर पुराने ढर्रे पर लौट आया। इससे गुलाब ने उससे दूरी बनाना शुरू कर दिया तो भरत न केवल उसके साथ घर में घुसकर जबरन संबंध बनाने लगा बल्कि गुलाब इंकार करती तो वह उसके साथ मारपीट भी करने लगा। इससे गांव में गुलाब की बदनामी जो पहले की कम नहीं थी और भी ज्यादा होने लगी। गांव की कुछ औरतों ने तो गुलाब से बात करना तक बंद कर दिया।

इससे गुलाब ने भी सोच लिया कि जो बदनामी होना थी वो तो हो ही चुकी है इसलिए अब वह भरत की बात नहीं मानेगी। इसलिए जब भरत ने देखा की गुलाब अब उसके हाथ से निकल रही है तो उसने आखिरी हथियार के रूप में गुलाब को धमकी दी कि अगर वह उसके कहे में नहीं चली तो वो गुलाब की किशोर उम्र बेटी को गांव में बदनाम कर देगा। भरत की इस धमकी से गुलाब डर गई।

इसी बीच एक रोज गुलाब ने कंदेला में रहने वाली अपनी बहन को फोन किया तो उसकी बात बहन के बेटे रोहित से हुई। रोहित को मौसी और भरत के रिश्ते की बात मालूम थी क्योंकि गुलाब पहले जब बहन के पास कंदेला आती थी तो कई बार अपने प्रेमी को मुलाकात के लिए कंदेला बुला चुकी थी। इसलिए फोन पर बातचीत के दौरान गुलाब ने भरत द्वारा मारपीट करने और बेटी शेष पृष्ठ 7 पर...

इनका रहा योगदान

प्रधान आरक्षक सहयोग कुमार एवं केके यादव तथा आरक्षक सईउद्दीन।

अंधे कत्ल के इस मामले को सुलझाने में थाना प्रभारी शशिकांत गुर्जर, एसआई प्रवीण कुमार प्रधान आरक्षक सतीश श्रीवास्तव, कृष्ण कुमार यादव सहयोग कुमार सौरभ कुमार तथा आरक्षक जितेंद्र, रजक, विनोद सिंह, सईउद्दीन, शशांक राजपूत, संदीप रैकवार, तपस्या रजक अनीता लोधी का विशेष योगदान रहा।

बेटी को बदनाम करने की धमकी देना बना हत्या का कारण

आरोपी रोहित।

आरोपी विष्णु।

आरोपी गजब सिंह

भुरेरू गांव में भरत से अवैध संबंध के चलते गुलाब की काफी बदनामी हो चुकी थी। इसलिए वह अब उससे कटने लगी थी। लेकिन भरत गुलाब को नहीं छोड़ना चाहता था। गुलाब के मिलने से इंकार करने पर वह गुलाब के साथ मारपीट भी करने लगा था। जांच में सामने आया है कि घटना से कुछ रोज पहले भरत ने गुलाब को धमकी दी थी कि अगर उसने संबंध बनाने से रोका तो वह गुलाब की बेटी को गांव में बदनाम कर देगा। उसकी इसी धमकी से गुलाब डर गई थी और यही धमकी भरत की हत्या का कारण बनी।

पहले भी प्रेमी को मिलने बुला चुकी थी कंदेला

मृतक भरत पटेल।

कंदेला में आरोपी गुलाब की बहन का घर है। बताते हैं कि गुलाब एक समय खुद भरत की ऐसी दीवानी थी कि जब कभी भुरेरू गांव में उनका मिलना नहीं हो पाता था तो गुलाब बहन से मिलने के बहाने कंदेला आकर भरत को मिलने बुला लेती थी। इसलिए इस बार भी जब गुलाब ने भरत को कंदेला बुलाया तो वह बिना कुछ सोचे प्रेमिका बनकर बैठी मौत से मिलने आ गया।

...पृष्ठ 1 से जारी

जबलपुर में कॉलेज गर्ल द्वारा अपनी सहेली पर तेजाबी हमले का चर्चित और चौका देने वाला मामला

लंबा समय बिता चुके सीएसपी का सामना कई शातिर अपराधियों से हो चुका था लेकिन उनकी तरफ से कोई सवाल किए जाने से पूर्व इससे पहले किसी आरोपी ने उनसे इस तरह का सवाल नहीं किया था। पुलिस ने इशिका की गिरफ्तारी के बाद उसके घर की तलाशी भी ली जिसमें एसिड की एक खाली बोतल मिली। बताया गया कि घर में बचाकर रखा बाकी एसिड परिवार ने बाथरूम में फेंक दिया था।

संपत उपाध्याय
एसपी

पूरे मोहल्ले के लोगों ने घटना के ठीक बाद एसिड की जलन से चीख रही श्रद्धा और घर की तरफ भाग रही इशिका को देखा था।

इसलिए इशिका की गिरफ्तारी के बाद मोहल्ले के लोग उसके घर के बाहर जमा हो गए थे। लोगों में घटना को लेकर रोष था इसलिए इशिका पर भीड़ हमला न कर दे यह सोचकर पुलिस ने सावधानी के साथ उसे वहां निकाला और थाने ले आई जहां श्रद्धा दास की मां की रिपोर्ट पर आरोपी गर्ल के खिलाफ हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर लिया गया।

सूर्यकांत शर्मा
एड. एसपी

पूछताछ में ज्योत्सना दास ने बताया कि इशिका और मेरी बेटी काफी अच्छी दोस्त थी लेकिन पिछले दो माह से दोनों के बीच बातचीत नहीं हो रही थी। आज रात पहले इशिका का फोन आया और फिर कुछ देर बाद वह खुद हमारे घर आई। श्रद्धा उसके साथ दरवाजे पर खड़े होकर कुछ देर तक बात करती रही इसके बाद जब वह अंदर वापस आ रही थी तभी इशिका ने उसके ऊपर तेजाब फेंक दिया और यह कहते हुए भाग गई कि तुझे अपनी सुंदरता को बहुत घमंड था न अब देख तू खुद अपना चेहरा आईने में देखने से डरेगी।

एमडी नागोतिया
सीएसपी

पीड़िता की मां ने बताया कि बेटी जलन के कारण चीख रही थी उसके कपड़े भी तेजाब से जल गए थे इसलिए मैं तुरंत उसे बाथरूम में ले गई और तेजाब का असर कम करने के लिए उसके ऊपर पानी डाला जिसके बाद हम उसे अस्पताल लेकर आए। अस्पताल से जानकारी लेने पर बताया गया कि युवती 50 प्रतिशत से अधिक जल गई है और उसकी हालत गंभीर है।

दूसरे दिन पुलिस ने आरोपी एसिड गर्ल इशिका को अदालत में पेश किया जहां से उसे जेल भेज दिया गया। जिसके बाद दो सहेलियों की आपसी जलन में एसिड अटैक की यह कहानी इस प्रकार सामने आई।

ग्वारीघाट इलाके में बसी अबधपुरी कालोनी में पीड़िता श्रद्धा दास का परिवार 2013 में रहने आया था जबकि इशिका साहू का परिवार पहले से ही इस कालोनी में रहता था। श्रद्धा के पिता रेल विभाग में सम्मानित पद पर कार्य करते है जबकि इशिका के पिता एक निजी कंपनी में गार्ड हैं। जाहिर है कि एक दूसरे से महज 100 मीटर की दूरी पर रहने वाले इन दोनों परिवारों की आर्थिक हैसियत में बड़ा अंतर होने के बाद भी एक समानता थी और वह यह कि दास परिवार की बेटी श्रद्धा और साहू परिवार की बेटी इशिका लगभग हमउम्र थी।

मदन कमलेश
जेलर

परिवार की आर्थिक हैसियत के हिसाब से श्रद्धा शहर के बड़े स्कूल में पढ़ती थी जबकि इशिका सस्ते स्कूल में। लेकिन दोनों का बचपन था और बचपन यह अंतर नहीं देखता सो पड़ोसी होने के नाते दोनों की दोस्ती गहराती गई। जिसके चलते दसवीं क्लास तक आते उनकी दोस्ती की कालोनी में मिशाल दी जाने लगी थी।

लेकिन अब दोनों का बचपन बीते कल की बात हो चुकी थी। जवानी की शुरुआत होते ही युवतियां अपने रंगरूप और शारीरिक गठन को लेकर कुछ ज्यादा ही सचेत रहने लगती है। इस उम्र में सहेलियों से अपनी सुंदरता की तुलना करने की भावना युवतियों में आम होती है और इशिका तथा श्रद्धा भी इसका अपवाद नहीं थी।

किसी युवती को उसकी सुंदरता का सबक सिखाने के लिए उठाए जाने वाले तेजाबी कदमों के पीछे अब तक किसी युवक का हाथ देखा गया है। संभवत यह अपने किस्म का ऐसा पहला मामला है जब एक युवती ने दूसरी युवती की सुंदरता से चिढ़कर तेजाबी कदम उठाया है।

लेकिन अब इशिका जवान हो चुकी थी। इसलिए उसे अमीरी-गरीबी, सुविधा और अभाव में अंतर अच्छी तरह से समझ में आने लगा था।

संयोग से भगवान ने यहां आकर भी श्रद्धा का साथ देते हुए उसे इशिका की तुलना में ज्यादा खुला रंग और ज्यादा आकर्षक शारीरिक गठन दिया। जिससे इशिका को श्रद्धा की किस्मत से ही नहीं भगवान के न्याय से भी शिकायत रहने लगी।

वह अक्सर सोचती कि पिता को गरीबी मिली और मुझे उनके घर में जन्म इसे मैंने स्वीकार कर लिया। लेकिन मेरा रंग रूप तो निजी रूप से मेरा है फिर भगवान ने यहां भी मेरे साथ कंजूसी की जबकि श्रद्धा जिसके पास अच्छे कपड़े, मंहगा मोबाइल शानदार घर सब कुछ है फिर भी भगवान ने ज्यादा सुंदरता भी उसके हिस्से में ही डाली।

कहना नहीं होगा कि जवानी की पहली पायदान पर ही इशिका को श्रद्धा की किस्मत से जलन होने लगी थी। दोनों की दोस्ती अभी कायम थी। हां उम्र के साथ उनकी बातों में अब इश्क मोहब्बत की भी चर्चा होने लगी थी जो इस उम्र में आम बात होती है।

हाईस्कूल पास करने के बाद दोनों ने अलग-अलग कॉलेज में प्रवेश लिया। श्रद्धा ने जहां बीबीए की डिग्री करना पसंद किया वहीं इशिका ने इंजीनियर बनने बीई में प्रवेश लिया।

उच्चशिक्षा का अपना रिवाज होता है दोनों के कॉलेज टाइम भी अलग-अलग थे जिसके चलते उनका मिलना-जुलना पहले की तुलना में कम हो चुका था लेकिन दोस्ती अभी भी अपनी जगह बरकरार थी। लेकिन कब तक रहती? कहते हैं कि आप दूसरे के बारे में मन में क्या सोचते हैं, उसके प्रति कैसी भावना रखते है यह लाख छुपाने के बाद भी चेहरे पर दिखाई देता है। इसी के आधार पर सामने वाला आपसे मिलने में खुशी या बोरियत महसूस करता है।

इशिका को श्रद्धा की किस्मत से जलन होने लगी थी जिसका असर उसके चेहरे में दिखता भी था इसलिए इस स्थिति के बन जाने के बाद उनकी मुलाकातें पहले से कम और इनमें आत्मियता की कमी आने लगी।

संयोग से इसी बीच एक युवक से इशिका के सामने प्रेम प्रस्ताव रख दिया। पहले प्यार का पहला प्रस्ताव हर किसी के मन को गुदगुदाता है। इशिका के साथ भी यही हुआ। सबसे बड़ी बात तो यह कि उसने पहली बार उसने श्रद्धा पर जीत हासिल की थी। वह जानती थी कि श्रद्धा के सामने ऐसा प्रस्ताव अब तक नहीं आया है यह श्रद्धा के गोरे रंग, पैसा और मंहगे कपड़ों गाड़ी पर इशिका की सुंदरता की जीत थी।

आदमी जब किसी से जलता है तो उसे जलाने की कोशिश करता है। इसलिए एक रोज मुलाकात होने पर इशिका ने अपने युवक मित्र द्वारा रखे गए प्रेम प्रस्ताव को बेहद शान से बढ़ा-चढ़ा कर सुनाया। यह सब सुनकर श्रद्धा ने उसे कैरियर बनाने की उम्र में ऐसी बातों से दूर रहने को कहा लेकिन इशिका को लगा कि चूंकि श्रद्धा का कोई प्रेमी नहीं है इसलिए जलन के कारण वह मुझे ऐसी सलाह दे रही है ताकि मेरे हिस्से में आ रहा प्रेमी भी दूर चला जाए।

श्रद्धा अभी इतना जल रही है तो उस वक्त कितना नहीं जलेगी जब मैं अपने हैंडसम दोस्त से उसका परिचय कराऊंगी। इशिका को पहली बार श्रद्धा से बाजी मारने का मौका मिला था इसलिए उसने युवक का प्रस्ताव स्वीकार कर लिया।

श्रद्धा का पूरा ध्यान अपनी डिग्री पर था। पढ़ाई के प्रति तो इशिका भी पूरी गंभीर थी लेकिन उसका आधा वक्त तो श्रद्धा की किस्मत को ही कोसने में निकल जाता था और बाकी का आधा नए-नए हुए प्यार के सपने देखने में। इसलिए इशिका अब अक्सर श्रद्धा से मिलने के प्रयास में रहती ताकि प्यार में आज क्या हुआ, कल क्या होगा यह बातें उसे सुनाकर जला सके।

श्रद्धा उससे जली तो नहीं लेकिन यह जरूर हुआ कि वह उससे मिलने कतराने लगी क्योंकि उसे लगता था कि वह रोज अपनी इतना कीमती वक्त इशिका की प्रेम कहानी सुनने में बर्बाद नहीं कर सकती। इशिका भी समझ गई थी कि श्रद्धा उसे इग्नोर करने लगी है। लेकिन उसे यही लगा कि वह उसकी किस्मत से जलने लगी है। बहरहाल इन हालातों में दोनों का मिलना जुलना काफी कम हो गया।

इसी बीच एक ऐसी घटना घटी कि जिससे इशिका मोहल्ले वालों की नजरों से उतर गई। हुआ यह कि अचानक एक रोज कालोनी में इशिका का उसके प्रेमी के संग एक वीडियो वायरल हो गया। कालोनी में बदनामी हुई, घर पर डांट खानी पड़ी और प्रेमी के साथ अलगाव भी हो गया सो अलग।

इस घटना के बाद कालोनी के ज्यादातर जवान युवतियां इशिका के साथ घूमने फिरने में कतराने लगी। श्रद्धा ने भी उससे लगभग पूरी तरह दूरी बना ली। इशिका परेशान हो गई उसे लगा कि उसका ओर प्रेमी का वीडियो जलन के कारण श्रद्धा ने ही वायरल किया है। उसे लगा कि श्रद्धा उससे ज्यादा सुंदर है इसलिए वह मेरा प्रेमी स्वीकार नहीं कर सकी और वीडियो वायरल करके मुझे बदनाम कर दिया। इसलिए उसने श्रद्धा से बदला लेने की ठान ली।

आरोपी इशिका साहू ने अपने बयान में पुलिस को यही बताया कि साल भर पहले मेरा दोस्त के साथ जो वीडियो वायरल हुआ था उसके पीछे श्रद्धा का हाथ था। उस घटना के बाद कालोनी वाले मुझे हिराकत की नजर से देखने लगे थे जबकि श्रद्धा की तारीफ होती थी।

जिदंगी के तमाम सुख श्रद्धा को मिले थे। बेहद खूबसूरती के अलावा अच्छा घर, पैसा, मंहगे कपड़े-मोबाइल सब कुछ उसके पास था। मेरे हिस्से में प्यार आया था वह भी उसने छीन लिया जिससे मैं श्रद्धा को सबक सिखाना चाहती थी। उसे अपनी सुंदरता का घमंड था जिसे मैं मिट्टी में मिलाना चाहती थी।

इशिका ने बताया कि अपितु वक्त के साथ उसके मन का घाव भरता जा रहा था लेकिन इसी बीच अचानक बीबीए करते ही श्रद्धा की कोलकाता की एक कंपनी में नौकरी लग गई। जल्द ही वह कोलकाता जाकर नौकरी ज्वाइन करने वाली थी। इस खबर से पूरी कालोनी में सबकी जुबान पर श्रद्धा का नाम और उसकी तारीफ थी। मुझे लगा कि अभी तो उसने ज्वाइन नहीं किया है जब नौकरी ज्वाइन करके कोलकाता वाली बनकर वापस आएगी तो सब ओर उसी के नाम की चर्चा होगी इसलिए मैंने सोच लिया कि जो कुछ करना है उसके नौकरी ज्वाइन करने से पहले करना है।

इसके लिए मैंने तेजाब से उसका चेहरा बिगाड़ने की योजना बनाकर उससे फोन कर संपर्क करने की कोशिश की लेकिन उसने मेरा फोन तक ब्लाक कर दिया था। इसलिए मैंने उसकी मां को फोन कर श्रद्धा से बात करवाने का कहा। लेकिन बात नहीं बनी तब मैं ने` अपनी मां पर जोर डाला कि वो श्रद्धा से बात करके मुझसे बात करने को कहें। लेकिन श्रद्धा ने टका सा जबाव दिया कि अभी वो व्यस्त है समय मिलने पर बात कर लेगी।

मुझे उसके यह तेवर अंदर तक आग लगा गए। इसलिए जब मुझे मालूम चला कि वह 30 जून को कोलकाता के लिए निकलेगी तो उससे पहले मैं 29 की रात में तेजाब लेकर उसके घर पहुंची। मैंने उससे कहा कि तुम कल जाने वाली हो इसलिए मैं उसके लिए एक सरप्राइज लेकर आई हूं थोड़ी देर बात करना चाहती हूं आखिरी बार मिल लो। मेरी बात सुनकर श्रद्धा ने मुझे पांच मिनट देने का कहा और घर के अंदर बुलाने के बजाए खुद बाहर आकर मिली। बातचीत के दौरान मैंने उससे सड़क पर टहलते हुए बात करने को कहा लेकिन उसने मना कर दिया और थोड़ी देर बात कर वापस अंदर जाने लगी तो मैंने मौका देखकर उसके ऊपर तेजाब फेंक दिया और घर भाग आई। लेकिन थोड़ी ही देर में पुलिस ने मुझे पकड़ लिया। इशिका का कहना है कि श्रद्धा ने मेरी जिंदगी बर्बाद की है इसलिए मुझे अपने किए का कोई मलाल नहीं है।

कथा पुलिस सूत्रों पर आधारित।

demo pic.

तेजाबी गर्ल इशिका काफी एग्रेसिव नेचर की है। इशिका के माता-पिता बेटी के खिलाफ और बेटी इशिका अपने माता-पिता के खिलाफ कई बार पुलिस का दरवाजा खटखटा चुकी है।

पुलिस ने आरोपी इशिका को तेजाब खरीदने में मदद करने के आरोप में उसके दोस्त अंश शर्मा को और बिना लाइसेंस तेजाब बेचने वाले सत्येन्द्र गुप्ता को भी आरोपी बनाकर गिरफ्तार किया है। अंश ने कॉलेज का प्रोफेसर बनकर तेजाब विक्रेता को कॉल किया था।

जेल में रखी जा रही है विशेष नजर

आरोपी इशिका।

इशिका काफी गुस्सैल स्वभाव की है। इसलिए जेल में पहुंचने के बाद उसका एक दो महिला कैदियों से विवाद भी हुआ। इशिका को जबलपुर के नेताजी सुभाष चन्द्र बोस जेल में रखा गया है। जेलर मदन कमलेश का कहना है कि गुस्से में वह खुद को नुकसान न पहुंचा ले इसलिए चौबीस घंटे उस पर नजर रखी जा रही है।

कभी एक दूसरे की खास सहेली हुआ करती थी दोनों

दोनों सहेलियां: आरोपी इशिका साहू (बाएं) व पीड़िता श्रद्धा दास।

कालोनी के लोगों का कहना है कि इशिका और श्रद्धा कभी एक दूसरे की खास सहेली हुआ करती थी। इशिका गरीब परिवार से जरूर थी लेकिन लोग उसे भी उतना ही सम्मान देते थे जितना श्रद्धा को देते थे। साल भर पहले उसका वीडियो वायरल होने के बाद जरूर कालोनी की बेटियां उससे कतराने लगी थी। उसके मन में श्रद्धा के प्रति नफरत कैसे फैली इसके बारे में उन्हें कोई कारण नजर नहीं आता।

अपनी सहेली द्वारा किये गये तेजाब हमले के बाद अस्पताल में भर्ती श्रद्धा दास।

भगवान करे वह जल्द स्वस्थ्य हो जाए

इस मामले में इशिका की मां का कहना है कि उनकी बेटी गुस्से वाली है लेकिन वह ऐसा करेगी इसका उन्हें भरोसा नहीं था। वह अपने पति के साथ दो बार बेटी से मिलने जेल जा चुकी हैं उनके अनुसार इशिका को अपने किए का पछतावा है। उनका यह भी कहना है कि वो भगवान से यही प्रार्थना करती है कि श्रद्धा जल्द ठीक हो जाए।

साजिश कर खरीदा था तेजाब

तेजाब खुले बाजार में नहीं मिलता। इसके लिए इशिका ने अपने एक दोस्त अंश शर्मा के साथ साजिश कर एक कॉलेज के नाम का नकली लेटर हेड बनाकर तेजाब खरीदा था। इशिका तेजाब खरीदने सिविक सेंटर में अनुप्रास इंटरप्राइजेस गई थी जहां उनके तेजाब देने से मना करने पर अंश शर्मा ने फर्जी प्रोफेसर बनकर दुकानदार से बात करके प्रैक्ट्रीकल संबंधी जरूरत बताकर छात्रा को तेजाब देने का कहा था। इस पर संचालक सत्येन्द्र गुप्ता ने इशिका को 300 मिलीलीटर तेजाब दे दिया था। पुलिस ने अंश शर्मा और सत्येन्द्र गुप्ता को भी आरोपी बनाकर जेल भेज दिया है।

वाराणसी

टाबे के रूम में प्रेमी ने की कॉलेज गर्ल प्रेमिका की हत्या

एमएससी स्टूडेंट मलिका ने अपने आठवीं पास प्रेमी से मिलने के लिए कॉलेज के पास बने टाबे पर घंटो के हिसाब से किराये पर मिलने में कमरे में पहुंचने के बाद कमरे का दरवाजा अंदर से बंद कर लिया। शाम को इसी कमरे में मलिका का रक्त रंजित शव कंबल में लपटा मिला।

शाम का समय था। वाराणसी के मिर्जामुरार थाना सीमा में स्थित बासमती देवी संकटा प्रसाद डिग्री कॉलेज से कोई 200 मीटर दूर स्थित है विधान बसेरा ढाबा। जाहिर है कि कॉलेज के पास स्थित होने के कारण इस ढाबा की आय का मुख्य स्त्रोत इसी कॉलेज में पढ़ने वाले छात्र-छात्राएं है जो कभी बर्थ-डे के नाम पर तो कभी वेलेंटाइन-डे के नाम पर यहां जमा होकर पार्टी करते रहते हैं।

इसके अलावा ढाबा मालिक ने आय का एक और तरीका निकाल लिया। उसने ढाबे के पिछले भाग में दो तीन कमरे में बनाकर एकांत चाहने वाले छात्र-छात्राओं को घंटे के हिसाब से मंहगी दरों पर देने शुरू कर दिया था।

4 जुलाई की सुबह के कोई 9 बजे का वक्त था जब एक युवक ने ढाबे पर आकर कुछ समय के लिए कमरा मांगा। युवक महीने-दो महीने में इसी कॉलेज में पढ़ने वाली एक युवती के साथ अक्सर ढाबे में आकर कुछ घंटो के लिए कमरा बुक करता था इसलिए पहचान पुरानी होने के कारण ढाबा मैनेजर ने बिना किसी लिखा-पढ़ी के उसे एक कमरे की चाबी दे दी।

युवक कोई और नहीं पास के कस्बे का रहने वाला साहिब सिंह बिंद था जो गुजरात की एक कपड़ा मिल में नौकरी करता था। कॉलेज में पढ़ने वाली मलिका (बदला नाम) नाम की युवती से उसकी दोस्ती थी। मलिका बिंद मेंहदीगंज इलाके की रहने वाली और एक संपन्न परिवार की 21 वर्षीय बेटी थी। वह संकटा प्रसाद कॉलेज में एमएससी फाइनल की स्टूडेंट थी।

साहेब को कमरे में गए अभी 10-15 मिनट की हुए थे कि पीछे से हाथ में किताबें लिए मलिका ने ढाबे में प्रवेश किया। मलिका को आया देखकर काउंटर पर बैठे युवक ने उसे दो अंगुली दिखाकर इशारा किया। मलिका समझ गई कि साहिब 2 नंबर कमरे में उसका इंतजार कर रहा है इसलिए वो बाहर रुके बिना सीधे कमरे में पहुंची जहां साहिब को पलंग पर लेटा देखकर उसने मुस्कराते हुए कमरे का दरवाजा बंद कर लिया।

मलिका और साहिब आमतौर पर दो घंटे की कमरे में ठहरते थे लेकिन उस रोज शाम के 5 बज गए मगर दोनों कमरे से बाहर नहीं निकले। इस बीच सफाई करने वाले कर्मचारी ने जब दो नंबर के कमरे का दरवाजा कुछ खुला सा देखा तो वह कमरा साफ करने अंदर दाखिल हो गया। जिसे वह इंगेज समझ रहा था वह कमरा अंदर से खाली और साफ था बस पलंग पर कंबल गलत किनारे पर रखा था। इसलिए उसने सही जगह रखने के लिए कंबल हटाया तो उसमें लिपटी मलिका की गला कटी लाश बाहर आ गिरी।

एनकांटर के बाद पकड़ा गया आरोपी साहिब सिंह।

ढाबे में हड़कंप अब मचा लेकिन इससे पहले ही मेंहदीगंज में मलिका के घर में हड़कंप मच चुका था। मलिका सुबह साढे नौ बजे परीक्षा देने के नाम कॉलेज जाने का बोलकर घर से निकली थी। दोपहर तक घर वापस नहीं पहुंची और मोबाइल बंद मिलने पर जब परिजनों ने कॉलेज में पता किया तो मालूम चला कि मलिका का आज इम्तहान था ही नहीं। इसलिए जवान बेटी के झूठ बोलकर घर से जाने और फिर मोबाइल बंद होने से परिवार के लोग चुपचाप उसे तलाश कर रहे थे। इसी बीच शाम को ढाबे के कमरे में मलिका का शव मिलने की खबर मिलने पर इलाके की बड़ी भीड़ वहां जमा हो गई। पुलिस ने ढाबे पर पूछताछ की जिसमें पता चला कि जो युवक मलिका के साथ था उसके संग मलिका कई बार यहां आकर कमरे में रुक चुकी थी इसलिए ढाबा मालिक ने कोई एंट्री रजिस्टर में नहीं की थी।

पुलिस जानती थी कि जो युवक मलिका से मिलने आया होगा उसने यहां पहुंचकर मलिका को फोन अवश्य लगाया होगा। इसलिए मलिका के मोबाइल पर लास्ट कॉल और सीसीटीवी कैमरे से साहिब की पहचान हो गई जिसकी लोकेशन भदेही की मिल रही थी।

इसलिए पुलिस की एक टीम तत्काल भदेही के लिए रवाना हो गई जहां इस टीम ने बहन के घर से सीधे गुजरात भागने की तैयारी कर रहे साहिब को गिरफ्तार कर लिया।

पूछताछ के दौरान साहिब ने जल्द ही अपना अपराध कुबूल करते हुए बताया कि एक साल पहले शुरु हुए हमारे प्रेम प्रसंग के बाद मलिका मुझसे लगातार पैसों की मांग करती थी। इसलिए तंग आकर मैंने यह कदम उठाया। अपितु उसने पुलिस से धोखे में मलिका का कत्ल होने की बात भी कही। पुलिस ने उसे अदालत में पेश किया जहां से उसे जेल भेज दिया गया। जिसके बाद यह कहानी इस प्रकार सामने आई।

मेंहदीगंज इलाके में रहने वाली संपन्न परिवार की बेटी मलिका उन दिनों एमएससी प्रथम वर्ष की स्टूडेंट थी जब एक रिश्तेदार के विवाह समारोह में 2024 में उसकी पहली मुलाकात मिर्जापुर थाना इलाके के कछवा बाजार में रहने वाले साहिब सिंह से हुई थी।

साहिब गुजरात की एक कपड़ा मिल में नौकरी जरूर करता था लेकिन शिक्षा के मामले में वह मलिका की तुलना में बेहद कमतर था। महिला एमएससी कर रही थी जबकि साहिब केवल 8 क्लास पढ़ने के बाद नौकरी करने लगा था। जाहिर है कि इस स्तर पर उसका वेतन भी बहुत अधिक नहीं था।

लेकिन मामला दिल का था इसलिए पहली ही मुलाकात में साहिब और मलिका अपने मोबाइल नंबर एक्सचेंज कर लिए जिससे शादी के बाद उनकी रोज फोन पर बात होने लगी।

दोनों जवान थे इसलिए बातों-बातों में उनके दिल भी एक दूसरे के करीब आ गए जिसके चलते जल्द ही उनकी प्रेम कहानी पटरी पर चल पड़ी। जिसके चलते एक रोज साहिब ने मलिका से मिलने की इच्छा जाहिर करते हुए कहा-

तुमसे मिलने का मन कर रहा है।

तो आ जाओ।

लेकिन हम मिलेंगे कैसे और कहां?

यह सब मेरे ऊपर छोड़ दो। हम दोनों दो घंटे ऐसे कमरे में बंद रहेंगे जिसके ताले की चाबी ही न हो।

सच में, साहिब को भरोसा नहीं हो रहा था कि सचमुच ऐसा हो सकता है।

ढाबे के इसी रुम में हुई हत्या।

इसलिए उसने कई बार पूछा कि ऐसा कैसे हो सकता है लेकिन मलिका ने एक ही बात कही आम खाओ पेड़ न गिनो।

प्रेमिका से मिलने की चाहत में साहिब मिर्जामुरादपुर आया तो मलिका उसे विधान बसेरा ढाबे के कमरे में ले गई। उसने साहिब को बताया कि पास में कॉलेज है इसलिए हम लोगों को ढाबे वाले अच्छे से जानते हैं। साहिब को तो भरोसा नहीं हो रहा था कि मलिका इतनी हिम्मत वाली हो सकती है।

बंद कमरे में दोनों दो घंटे तक प्यार में डूबे रहे जिसके बाद मलिका अपने घर और साहिब वापस सीधा गुजरात चला गया। मलिका से मिलकर वह खुश था लेकिन एक चिंता भी थी वो यह कि ढाबे पर दो घंटे रुकने और खाने -पीने तथा आने-जाने के टिकट में उसका इतना पैसा खर्च हो गया था जितना की खर्च करने की उसकी हैसियत नहीं थी। लेकिन पहली मुलाकात की खुशी में उसने ज्यादा ध्यान नही दिया।

इसके 15 दिन बाद ही मलिका ने उसे फिर मिलने के लिए आने को कहा। साहिब को खर्च का अंदाजा था इसलिए उसने सीधे तो नहीं टाला लेकिन छुट्टी न मिल सकने की बात कह दी।

मगर कुछ दिन बाद मलिका पीछे पड़ गई उसका कहना था कि छुट्टी न मिले तो नौकरी छोड़कर आ जाओ। ऐसे में साहिब फिर मलिका से मिलने आया। दोनों फिर ढाबे के कमरे में मिले तथा साहिब के वापस जाते समय मलिका ने उससे कुछ पैसों की जरूरत बताकर पैसे भी ले लिए।

साहिब ने पुलिस को बताया कि मलिका उसे हर बीस-पच्चीस दिन में मिलने बुलाने लगी और हर बार मुझसे पैसा भी मांगती थी। इतना ही नहीं मैंने उससे साफ कह दिया था कि मेरा वेतन अभी शादी करने लायक नहीं है लेकिन वह शादी करने के लिए दबाव बनाती है। मैं मना करता तो पैसा मांगती। इससे मैं तंग आ गया था। शेष पृष्ठ 7 पर...

प्रेमिका एमएससी स्टूडेंट प्रेमी 8 क्लास पास

इस मामले में सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि मृतका मलिका एमएससी की स्टूडेंट थी जबकि प्रेमी साहिब केवल 8 वीं पास था। ऐसे में दोनों की प्रेम

मृतका युवती मल्लिका।

कहानी किसकी पहल पर शुरू हुई यह बात समझ में न आने वाली है। कुछ लोगों का कहना है कि साहिब ने पैसे वाले की बेटी होने के कारण मलिका को अपने जाल में फंसाया था जबकि कुछ लोग ऐसा भी मानते हैं कि मलिका को एक गुलाम की जरूरत थी इसलिए उसने 8 क्लास पास युवक को अपने जाल में फंसा लिया था।

ढाबा वाला देता था कॉलेज के जोड़ों को कमरा

इलाके के लोगों ने कॉलेज के पास बने उस ढाबे का तोड़ने की मांग की है जहां कालेज के प्रेमी जोड़ों को बिना किसी लिखा पढ़ी के कुछ घंटों को कमरे किराये पर दिए जाते थे। घटना वाले रोज भी ढाबे के रिकार्ड में मलिका और साहिब की जानकारी दर्ज नहीं की गई थी। ढाबे के कर्मचारियों का कहना है कि यह जोड़ा अक्सर आकर उनके ढाबे में कुछ घंटो के लिए कमरा हायर करता था।

मेरी बेटी ही घर की मालकिन वह पैसा क्यों मांगेगी

इस मामले में मलिका के पिता का कहना है कि मेरे पास काफी पैसा है जिसे मलिका ही संभालती है। उसे किसी चीज की कमी नहीं थी न मैंने कभी उससे पैसों को लेकर हिसाब लिया। ऐसे में आरोपी झूठ बोल रहा है कि मेरी बेटी उससे पैसा मांगती थी।

रीवा

अवैध रिस्ते में डूबे देवर-भाभी ने की भाई की हत्या

पत्नी को छोटे भाई के साथ आपतिजनक स्थिति में देख लेने के बाद प्रमेश ने दोनों पर नजर रखना शुरू कर दिया था। इसलिए जब देवर-भाभी के प्यार पर पहरा लगा तो दोनों ने मिलकर अपने इश्क के इस चौकीदार भाई की ही हत्या कर दी।

चार अगस्त 2023 की सुबह-सुबह रीवा के सोहागी थाने की सोनारी चौकी इलाके में रायपुर-सोनारी मोड पर बसी हरिजन बस्ती में रहने वाले अच्छेलाल के घर के बाहर कीचड़ से भरे आंगन में उसके बड़े बेटे प्रमेश का अर्धनग्न शव पड़ा था। प्रारंभिक पूछताछ में लोगों के अलावा परिवार वालों ने भी बताया कि मृतक शराब पीने का आदी था। कल शाम को गांव की कलारी पर वह शराब पीकर हंगामा कर रहा था जिसकी खबर मिलने पर मृतक की पत्नी रानी (बदला नाम) और एवं छोटा भाई साजन दोनों उसे घर लेकर आए थे।

पूछताछ में मृतक की पत्नी और छोटे भाई ने बताया कि मृतक शराब पीकर किसी के साथ भी गाली गलौंच करने लगता था। इसलिए उनका कहना था कि ऐसे की विवाद में किसी ने उसकी हत्या कर शव आंगन में फेंक दिया है। दोनों के बयानों पर शक होने के बाद पुलिस ने गांव वालों से चुपचाप जानकारी जुटाने की कोशिश की जिसमें लोगों ने बताया कि कल शाम को कलारी पर हंगामा करने के बाद जब साजन और पत्नी रानी, प्रमेश को लेने कलारी गए थे तब दोनों ने उसके साथ मौके पर मारपीट की थी। वहीं कुछ लोगों ने यह भी बताया कि मृतक की पत्नी रानी के अवैध संबंध अपने से उम्र में दस साल छोटे देवर के साथ थे।

पुलिस ने मृतक के घर की भी जांच की जिसमें जिस कमरे में मृतक अपनी पत्नी के साथ सोता था उसमें खून के धब्बे मिलने से साफ हो गया कि हत्या घर के अंदर ही करने के बाद शव को बाहर लाकर फेंका गया है। इसलिए शव को पीएम के लिए भेजने के बाद पुलिस ने पूछताछ के लिए रानी और साजन को थाने में बैठा लिया।

दूसरे दिन शार्ट पीएम रिपोर्ट में मृतक की हत्या किए जाने की बात सामने आने पर पुलिस ने देवर-भाभी को अलग-अलग बैठाकर उनके साथ सख्ती से पूछताछ की जिससे थोड़ी ही देर में दोनों टूट गए और प्रमेश की हत्या की पूरी कहानी सुना दी। कोई तीन साल पहले प्रमेश की शादी रानी के साथ हुई थी। रानी इस शादी से खुश नही थी। क्योंकि प्रमेश शराबी था। शादी के बाद महीने भर ही प्रमेश ने पत्नी में ज्यादा रुचि दिखाई उसके बाद वह हमेशा की तरह ढेर सारी शराब पीकर घर आने के बाद पत्नी की तरफ पीठ करके बेहोशी के आलम में सोने लगा। इससे धीरे-धीरे रानी देवर साजन को अपनी तरफ आकर्षित करने की कोशिश करने लगी।

18 साल का साजन भी दूध पीता बच्चा तो था नहीं इसलिए जल्द ही समझ गया कि भाभी उससे क्या चाहती है। किस्मत से एक रोज दोनों को मौका मिल गया। कोई साल भर पहले जब रानी के सास ससुर पास के एक गांव में शादी में शामिल होने गए थे तब शाम होते की प्रमेश रोज की तरह कलारी पर शराब पीने चला गया तो रानी हिम्मत करके दबे पांव साजन के कमरे में पहुंची।

उस समय साजन की पीठ दरवाजे की तरफ थी और वह मोबाइल पर कोई फिल्म देख रहा था। रानी चुपचाप उसके पीछे जाकर खड़ी हो गई तो यह देखकर चौंक गई कि साजन मोबाइल पर एक गंदी फिल्म देख रहा था। रानी समझ गई कि मौका अच्छा है। आज साजन को अपने सीसे में उतारा जा सकता है। वहीं साजन ने रानी को आया देखा तो घबड़ा कर मोबाइल बंद कर दिया।

अरे फिल्म बंद क्यों कर दी।

अरे वो तो ऐसे ही देख रहा था।

ऐसे ही क्यों देख रहे थे। अब तुम बड़े हो गए हो तो यह सब तो देखना ही चाहिए। किसी लड़की से दोस्ती की गांव में की नहीं।

नहीं।

तो मुझसे कर लो। तुम्हारे भैया तो दारू पीकर पड़े रहते हैं। जब मन हो तो मेरे पास आ जाया करो, ठीक है।

ठीक है।

क्या ठीक है मेरे बुद्धू देवर जी। अभी भी तो फिल्म देख रहे थे। यह देखकर खुद का कुछ मन नहीं हो रहा क्या?

हो रहा है।

तो फिर चलो न, तेरे भैया तो दारू पीकर आधी रात से पहले नहीं लौटने वाले तब तक तेरी यह भाभी अपने प्यारे देवर का मन शांत कर देगी। रानी ने खुला निमंत्रण दिया तो साजन पीछे-पीछे उनके कमरे में जाकर प्यार के सारे पाठ पढ़ आया। उस रोज के बाद आधी रात में जब सब लोग सो जाते साजन चुपचाप उठकर भाभी के कमरे में पहुंच जाता। प्रमेश तो दारू पीकर बेसुध पड़ा रहता और उसके बगल में ही रानी, देवर के साथ पाप लीला रचाने के बाद उसे वापस कमरे में भेज देती। लेकिन इसी साल जून के महीने में यह बात प्रमेश के सामने उजागर हो गई।

हुआ यह कि गरमी के कारण प्रमेश उस रोज शराब पीकर बाहर आंगन में सोया था। यह देखकर आधी रात बीतने पर साजन चुपचाप रानी के पास जाकर वासना के सागर में डूबा हुआ था। इसी बीच अचानक बारिश की बूंदे गिरने से प्रमेश की नींद टूटने पर वह बिस्तर समेट कर कमरे में पहुंचा तो उसने रानी और साजन को रंगे हाथ पकड़ लिया। उस दिन के बाद प्रमेश दोनों पर नजर रखने लगा जिससे रानी और साजन की पाप लीला पर रोक लग गई। इससे दोनों ने परेशान होकर प्रमेश को रास्ते से हटाने की ठान ली।

घटना वाले दिन दारू पीकर प्रमेश के कलारी पर हंगामा करने की खबर पाकर साजन और रानी जब उसे घर लाने पहुंचे तो दोनों ने योजना बना ली कि आज मौका अच्छा है। दोनों ने उसे चारपाई से बांध दिया और सीने पर पत्थर पटक दिया जिससे उसकी सारी पसलियां टूट जाने से मौत हो गई। इधर माता-पिता के सो जाने के बाद साजन रात में फिर भाभी के कमरे में पहुंच गया। चूंकि अब प्रमेश के जागने का डर तो था नहीं इसलिए उस रात दोनों ने प्रमेश की लाश कमरे में रखे होने के बाद भी जी भरकर मस्ती की। जिसके बाद सुबह होने से पहले दोनों ने प्रमेश की लाश कमरे से निकालकर आंगन में फेंक दी। जिसके बाद साजन अपने कमरे में जाकर सो गया।

कथा पुलिस सूत्रों पर आधारित।

शादी के सपने देख रहे थे आरोपी

गली में पड़े मृतक के शव की जांच करती पुलिस।

पूछताछ में साजन और रानी ने बताया कि उनका सोचना था कि प्रमेश की मौत के बाद परिवार वाले विधवा भाभी की शादी आसानी से देवर के साथ कर देंगे। इसलिए साजन और रानी प्रमेश की हत्या करने के बाद आपस में शादी करने के सपने देख रहे थे। इतना ही नहीं पकड़े जाने के बाद भी रानी का कहना था कि जेल से बाहर आकर वह देवर के साथ ही रहेगी।

...पृष्ठ 3 का शेष

को बदनाम करने की धमकी देने के बारे में रोहित को बताया तो रोहित ने मौसी को कंदेला आने के लिए कहा। इस पर कुछ दिन के बाद गुलाब कंदेला आई तब उसकी पूरी समस्या का सुन कर रोहित ने गुलाब से कहा कि वो भरत को मिलने के बहाने कंदेला बुला ले।

गुलाब ने भरत को फोन कर कंदेला आने को कहा तो प्रेमिका के बुलाने पर भरत 23 जून को कंदेला पहुंच गया। यहां रोहित ने उसे बैठाकर समझाने की कोशिश की और आगे मौसी से दूर रहने को कहा। लेकिन भरत ने साफ कर दिया कि वो गुलाब को नहीं छोड़ सकता। इस पर रोहित और गुलाब ने भरत को हमेशा के लिए रास्ते से हटाने की योजना बना ली। चूकि रोहित कत्ल की बारदात को अकेले अंजाम नहीं दे सकता था इसलिए उसने बिजौरा गांव से अपनी बुआ के बेटे

जैसीनगर पुलिस टीम की गिरफ्त में चारों आरोपी।

विष्णु को कंदेला आने कहा। जिससे कुछ ही घंटे में विष्णु अपने एक दोस्त गजब सिंह ठाकुर के साथ बाइक पर कंदेला आ गया।

यहां योजना अनुसार गुलाब सेक्स का लालच देकर भरत को वन विभाग की चौकी के पास जंगल में ले गई। जंगल में जाकर गुलाब से भरत को खुश करने का नाटक किया इसलिए जैसे की भरत गुलाब के ऊपर झुका पीछे से आकर रोहित, विष्णु और गजब सिंह ने उसे दबोच कर गमझे से उसका गला घोंट दिया। भरत जिंदा न बच जाए इसके लिए तीनों ने उसका सिर पत्थर से कुचलने के अलावा गले और पेट पर कुल्हाड़ी से बार भी किए। जिसके बाद चारों घर लौट आए। लाश की पहचान न हो सके इसके लिए मृतक का मोबाइल तोड़कर फेंकने के अलावा पर्स सड़क पर फेंक दिया। चारों को भरोसा था कि जंगली जानवर भरत की लाश को खा कर खत्म कर देंगे। लेकिन पांच दिन बाद लाश मिलने से जैसीनगर पुलिस ने जल्द ही उसकी पहचान का आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

कथा पुलिस सूत्रों पर आधारित।

...पृष्ठ 6 का शेष

इस बार उसने मुझे मिलने बुलाने के अलावा साथ में दस हजार रुपया लेकर आने को कहा। उसका कहना था कि उसे दस हजार की सख्त जरूरत है। अब इतना पैसा में कहां से लाता। मुझे यह भी डर लगता था कि अगर मैंने उसे पैसा देने से या मिलने के लिए आने से मना किया तो वो कही मुझे किसी परेशानी में न फंसा दे। इसलिए इस बार मैंने उससे छुटकारा पाने का सोचकर ढाबे से छुरी चुरा ली।

मलिका आते साथ पहले मुझसे पैसा मांगने लगी। मैंने पैसा न होने की बात कही तो वह झगड़ा करने पर उतारू हो गई जिससे उसे डराने के लिए मैने उसके गले पर छुरी रख दी। इसके बाद मुझे नहीं मालूम की उसका गला कैसे कट गया। जब मैंने देखा कि मलिका मर गई है तो उसकी लाश को कंबल में छुपाकर वहां से भाग गया।

कथा पुलिस सूत्रों पर आधारित।

मुंबई

नामी स्कूल की अधेड़ इंग्लिश टीचर कर रही थी नाबालिग स्टूडेंट का यौन शोषण

40 की गुरु 16 का शिष्य

कभी लक्जरी कार की बैक सीट पर तो कभी मुंबई की पांच सितारा होटल्स के डीलक्स कमरे में ले जाकर इंग्लिश टीचर केया अपने नाबालिग स्टूडेंट निक को अपनी अधेड़ देह से जवानी के पाठ पढ़ाते पढ़ाते निक की ऐसी दीवानी हुई कि निक के स्कूल छोड़ने के बाद भी वह उसका पीछा नहीं छोड़ रही थी।

3 जून की दोपहर का वक्त था। दक्षिण मुंबई के पॉश इलाके के आलीशान बंगले में परिवार के साथ रहने वाला निक अभी-अभी कॉलेज में अपने दाखिला का आवेदन पत्र देकर आया ही था कि दरवाजे के बाहर मैडम केया के हाऊस सर्वेंट को देखकर चौंक गया।

निक का गला सूख गया इसलिए उसने किसी तरह थूक गुटकते हुए उससे पूछा- क्या काम है?

मैडम ने बुलाया है तुम्हें।

किसलिए?

राजा बाबू मुझसे ज्यादा अच्छे से तुम यह बात जानते हो। मेरा काम मैडम का मैसेज तुम तक पहुंचाना था सो बता दिया। अब आना नहीं आना तुम्हारा काम है। इतना कहकर मैडम का नौकर बाहर से वापस चला गया तो थके कदमों से निक अंदर जाकर सोफे पर पसर गया। एसी की ठंड़ी हवा में माथे पर आए पसीने का देखते हुए मां ने उससे परेशानी का कारण पूछा तो उसने बिना रुके बता दिया केया मैडम का नौकर आया था मुझे बुलाने। मुझे डर लग रहा है।

बदचलन औरत अब भी मेरे बेटे का पीछा नहीं छोड, मन ही मन बड़बड़ाते हुए निक की मां ने पिता को फोन कर पूरी बात बता दी। जिससे थोड़ी ही देर में निक के पिता घर पहुंच गए और काफी सोच विचार के बाद अगले दिन पुलिस थाने में बेटे की इंग्लिश टीचर रही केया के खिलाफ बेटे निक (दोनों बदले नाम) के यौन शोषण का मामला दर्ज करवा दिया।

दरअसल केया मैम, निक का यौन शोषण कर रही हैं यह बात निक के माता-पिता को दो माह पहले उसी समय ज्ञात हो गई थी जब उन्होंने लगातार उदासी में घिरे रहने वाले बेटे से इसका कारण पूछा था।

निक अपनी मैम द्वारा की जाने वाली रोज-रोज सेक्स की मांग से परेशान था इसलिए उसने माता-पिता को पूरी बात बता दी थी। लेकिन माता-पिता यह सोचकर पुलिस में नहीं गए कि दो माह बाद परीक्षा है फिर उसके बाद उनका बेटा स्कूल छोड़कर कॉलेज जाने लगेगा तो मामला अपने आप खत्म हो जाएगा। लेकिन स्कूल छूट जाने के बाद उस रोज जब मैम का नौकर निक को बुलाने के लिए घर तक आ गया तो परिवार वालों ने पुलिस में जाना ही उचित समझा।

निक की शिकायत पर 40 वर्षीय केया मैम के खिलाफ पॉक्सो की विभिन्न धाराओं के अलावा यौन शोषण का मामला दर्ज कर उसी शाम उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया।

देश के पहले पांच प्रतिष्ठित स्कूलों में शामिल स्कूल की अधेड़ शिक्षिका द्वारा अपने नाबालिग स्टूडेंट के यौन शोषण की बात मीडिया में आते ही मुंबई में हंगामा मच गया। लोग केया मैम की उस सहेली युवती को गिरफ्तार करने की मांग करने लगे जिसने मैम के साथ रिलेशन बनाने के लिए निक का माइंड वॉश किया था। लेकिन वो मैम की गिरफ्तारी की जानकारी लगते ही फरार हो गई थी। इसके बाद पुलिस ने केया को अदालत में पेश किया जहां से उसे जेल भेज दिया गया जबकि दूसरी तरफ स्कूल प्रशासन ने तत्काल प्रभाव से उसे निलंबित कर दिया। जिसके बाद यह कहानी इस प्रकार सामने आई।

दक्षिण मुंबई की पॉश कालोनी को जहां अधिकतर नामी फिल्मी सितारों के बंगले है इस महानगर का सबसे महंगा इलाका माना जाता है। निक के पिता बड़े बिजनेस मैन है जिन्होंने लगभग बीस साल पहले इस इलाके में एक आलीशान कोठी बनबाई थी।

अपने यौन शोषण के बारे में निक ने बताया कि जनवरी 24 की बात है। स्कूल की सोशल गैदरिंग में केया मैम एक इंग्लिश प्ले की डायरेक्टर थी। एक दिन उन्होंने मुझे अपने पास बुलाकर प्ले में भाग लेने की बात कही जिसे मैने मान लिया।

अगले की दिन से स्कूल के बाद मैं भी अन्य स्टूडेंट की तरह प्ले की प्रैक्टिस के लिए स्कूल में रुकने लगा। कुछ दिन प्रैक्टिस ऐसे ही चलती रही बाद में फुल ड्रेस रिहर्सल की बारी आई तब मुझे मैम के गलत इरादों का पहली बार अहसास हुआ।

एक रोज मैम जब सभी स्टूडेंट को ड्रेस पहनने में मदद कर रही थी तब वह मुझे एक अलग कमरे में ले गई जहां ड्रेस पहनाते समय उन्होंने कई बार मेरे प्राइवेट पार्ट को छुआ। मुझे लगा कि शायद ऐसा धोखे में हुआ होगा इसलिए मैंने अपनी तरफ से कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। इसके बाद तो वह हमेशा मुझे अलग कमरे में ले जाने लगी जहां एक रोज तो उन्होंने सीधे मेरे अंडरवीयर में हाथ डाल दिया। मैंने ऐसा करने से मना किया तो मैम बोली क्यों तुम्हें अच्छा नहीं लगा क्या?

नहीं?

आराम से अपनी बॉडी को टच करने दोगे तो अच्छा लगेगा। यह कहते हुए उन्होंने मुझे चुपचाप खड़े रहने को कहा। जिसके बाद उन्होंने मेरे कपड़े नीचे सरका दिये और अजीब सी हरकत करने लगी। इसके बाद उन्होंने मुझे खुले शब्दों में सेक्स ऑफर किया। जिसके लिए मैने मना कर दिया। लेकिन जब तक प्ले नहीं हो गया मैम रोज मेरे कपड़े नीचे की तरफ खींचकर गंदा काम करती रही।

पांच सितारा होटलों में ले जाकर पिलाती थी शराब

पीड़ित स्टूडेंट ने पुलिस को बताया कि पहले मैम उसे कार में बैठाकर सुनसान जगहों पर ले जाकर संबंध बनाने को मजबूर करती थी। बाद में वह मुझे कई बार 5 स्टार होटल के कमरों में ले गई जहां वह मुझे अपने साथ पहले शराब पिलाती थी बाद में गलत काम करने का दबाव बनाती थी।

प्ले हो जाने के बाद भी वह अक्सर स्पोर्टस पीरियड में ग्राउंड में आकर मुझसे अकेले में बात करके सेक्स के लिए राजी करने की कोशिश करती। इसी बीच एक रोज उन्होंने मुझे अपनी एक सहेली से मिलवाया उसने मुझे बताया कि दरअसल मैम मुझे प्यार करती है इसलिए वे यह सब मुझे सिखाना चाहती है। उस युवती ने बताया कि देखो तुम किसी यंग लड़की से पहली बार मिलोगे तो न तुम जानते हो कि क्या करना है और न तुम्हारी फ्रेंड जानती होगी। मैम सब जानती है वह तुम्हें बहुत अच्छी ट्रेनिंग देंगी। फिर आजकल तो यह चलन है जिसमें नई उम्र के लड़के बड़ी उम्र की महिला के संग सेक्स करने को अच्छा समझते है। उसने निक को यह भी बताया कि आलरेडी स्कूल की कई स्टूडेंट मैम से दोस्त है जो मैडम के साथ संबंधो में हैं।

लेस्बियन भी होने का शक

पुलिस अभी उस युवती की तलाश कर रही है जिसने निक को अधेड़ मैम के साथ संबंध बनाने के लिए उसका माइंड वॉश किया था। बताया जाता है कि आरोपी टीचर कम उम्र के लड़कों के साथ संबंध बनाने के अलावा लेस्बियन भी है। पुलिस को शक है कि दूसरी आरोपी युवती उनकी लेस्बियन पार्टनर हो सकती है जिसका राज उसकी गिरफ्तारी के बाद खुलने की संभावना है।

निक ने पुलिस को बताया कि मैम की उस सहेली ने मुझे फोर्स किया जिसके बाद एक रोज उसने मुझे

स्कूल के बाद मैम के साथ उनकी कार में लांग ड्राइव पर भेज दिया।

मैम मुझे अपनी कार में एक सुनसान इलाके में ले गई जहां उन्होंने मुझे कार की बैक सीट पर ले जाकर मुझसे अपने साथ गलत काम करने का कहा।

उस रोज के बाद मैम मुझे अक्सर अपने साथ कार में ले जाकर अलग-अलग तरीकों से गंदा काम करने का दबाव बनाने लगी। फिर एक रोज वह मुझे 5 स्टार होटल के कमरे में ले गई जहां उन्होंने मुझे जबरन शराब पिलाकर मेरे साथ सेक्स किया।

निक ने बताया कि मैम के लगातार शोषण से मैं डिप्रैशन में रहने लगा जिससे मैम ने मुझे मेडिसन भी खिलाई ताकि मैं डिप्रेशन से बाहर आ सकूं। लेकिन उन्होंने मेरा शोषण करना नहीं छोड़ा। उल्टे वह बोलती थी कि वो मुझे प्यार करने लगी है और हमेशा मेरे साथ दोस्ती बनाकर रखेगी।

पुलिस जांच में सामने आया है कि निक लगातार शोषण से परेशान हो गया था। इसलिए उदास रहने लगा जिससे वार्षिक परीक्षा के दो माह पहले निक के माता-पिता को इस बात की जानकारी हो गई थी लेकिन दो महीने बाद निक को स्कूल हमेशा के लिए छोड़ना है यह सोचकर उन्होंने पुलिस में शिकायत नहीं की थी। मगर जब स्कूल छोड़ने के बाद भी केया मैम ने अपने नौकर को निक के घर भेजकर उससे मिलने आने को कहा तो परिवार वालों ने पुलिस में शिकायत करना ही उचित समझा जिससे आरोपी मैम को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया।

कथा पुलिस सूत्रों पर आधारित।